an>

Title: Regarding Declaration of Friday as holiday instead of Sunday i Schools of Jharkhand.

डॉ. निशिकांत दुबे (गोड्डा) : सभापति महोदय, धन्यवाद। मैं झारखण्ड राज्य में ह रहे इस्लामीकरण की ओर देश और आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं। मेरा ज पूरा राज्य है, मैं जिस इलाके संथाल परगना से आता हूं, वहां के कुछ जिले पाकूड़ साहिबगंज, जामताड़ा, गोड्डा, जहां से मैं सांसद हूं, उसकी पूरी डेमोग्राफी बदल ग है। बांग्लादेश से नजदीक होने के कारण मालदा, मुर्शिदाबाद, किशनगंज, कटिहा का जो इलाका है, वह पूरा बढ़ गया है।

महोदय, मैं बांग्लादेशी घुसपैठिए के मुद्दे को बार-बार उठाता रहा हूं। अभ सबसे महत्वपूर्ण मामला यह आया है कि माननीय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने ज गरीब बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा देने के लिए सर्व शिक्षा अभियान चालू किया तो एव किलोमीटर के रेंज में प्राथमिक विद्यालय बने, तीन किलोमीटर की रेंज में मध विद्यालय में बने और पांच किलोमीटर की रेंज में हाई स्कूल बने। सभी स्कूल स शिक्षा अभियान के सरकारी स्कूल हैं। अचानक देखने में आया कि पूरे झारखण्ड कम से कम ऐसे 1800 स्कूल हैं, जिन्होंने अपने नाम के पीछे उर्दू लगा लिया है। मा लीजिए किसी ने उर्दू लगा लिया है तो उस पर पहले किसी ने ध्यान नहीं दिया, लेकि अभी झारखण्ड सरकार ने कमेटी बनाई और जो उसकी रिपोर्ट आई, उसमें यह कि अब रविवार के दिन उन स्कूलों में छुट्टी नहीं होती है। यह बहुत सीरियस बात कि पूरे देश में स्कूलों में रविवार को छुट्टियां हुआ करती हैं, लेकिन उन 1800 स्कूल में शुक्रवार को छुट्टी होती है। यह मेरी नहीं, झारखण्ड सरकार की रिपोर्ट है। यह देश इस्लामीकरण की ओर बढ़ रहा है और खासकर झारखण्ड ने उसको रास्ता दिखाय है।

मेरा आपके माध्यम से भारत सरकार से विनम्र निवेदन है कि एनआईए से जां की जाए। जो स्कूल इस तरह से उर्दू लगाए हुए हैं और शुक्रवार की छुट्टी दे रहे हैं उन स्कूलों की फण्डिंग रोकी जाए। पूरे देश में एक ऐसा मैसेज होना चाहिए कि य

देश एक कानून, एक विधान, एक निशान से चलता है और किसी भी कीमत पर य
बर्दाश्त नहीं किया जाए। यदि इस पर कृपा हो जाएगी तो अच्छा होगा। इन्हीं शब्दों के
साथ जय हिन्द, जय भारत।